

कलिकृष्णं शंभु-सामानं ४। यथा अजकृ-
कवादि दिग्वादि कृनि यथायुग ॥ यथा दिवि मृ-
ग-नो यावत्स रवा-प्रवि दृगं जावत्तुर्वसहस्रा-
दि नैद स्यात्कर्मसि जगत् ॥ अथादेव दवशि यकं ॥
उक्ता दानं पाठ ॥ अथ नो यदि ॥

Siva Shama bhava vidya

ASHA ARCHIVES

2147 I

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निवर्तयितुं मया निष्ठा ॥

सुखं नमस्कृत्य वासुदेवाय ॥

वर्तयितुं मया निष्ठा ॥

यादृशं मया निष्ठा ॥

जयं मया निष्ठा ॥

वसं मया निष्ठा ॥

यादृशं मया निष्ठा ॥

कामं मया निष्ठा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वायं यथा ॥ दक्षिणं विवेकं ॥

मया निष्ठा ॥

सुखं नमस्कृत्य वासुदेवाय ॥

वर्तयितुं मया निष्ठा ॥

यादृशं मया निष्ठा ॥

जयं मया निष्ठा ॥

वसं मया निष्ठा ॥

यादृशं मया निष्ठा ॥

कामं मया निष्ठा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ कौशस ४३ निवृत्त्यात्मन
 कृष्णभक्त्या यायययससा
 मायनम ४॥ ॐ यय ४४ धिया ॥
 ॐ कौसर्वसर्वसर्वीजीक
 वयायदविनठमायनय
 नम ४॥ ॐ दविकाथा ॥
 ॐ काथावधावगुयकृष्णाल
 नीगिरायसविष्णुगालकना
 यनम ४॥ ॐ गुजामिसू ॥
 ॐ काथधा वज्रवक्रनिवस
 कृष्णाय कायववृत्तदवना
 यनम ४॥ ॐ ववृत्तान ॥
 गिरायनम ४॥ ॐ कृष्णवृत्त
 यनम ४॥ ॐ गिरानामागि ॥
 ॐ कानमस्तु वृद्धवृत्तप्रदीप
 नम ४॥ ॐ धीप्रतलम्बी ॥
 वक्रवृत्तनम ४॥ ग्राधवमूलम
 कुन ॥

ॐ स्वस्त्यस्तु ॥ आवाहनादि
 वृजनयन ॥ धनवदनमिध
 यावसमून ॥
 ॐ समुद्रामि ॥ विरुद्राग ॥
 ॐ दुर्गुवस्तु ॥ समुद्राग ॥ भक्ताना
 लिङ्ग ॥ ॐ नारायणी ॥
 भक्तानाग ॥ निस्तु ॥ ॐ नारायणी
 भक्तानाग ॥ जजमानयान ॥
 ॐ मानसु ॥ कनन ॥
 ॐ विजयदेवाना ॥ निवर्णकिसन ॥
 ॐ जनयस्थ ॥ आलाउन ॥
 ॐ गामरालिङ्गसोनयाय ॥
 गायत्री जयन् ॥ धन १० ॥
 ॐ मनाद्रुनिष्टनिष्टा ॥

नमो अथ यज्ञसाधनम् ॥
 आयुः कालं कृत्वा ग्रामं सि
 ध्वाथिनि लक्ष्मणं कालयन्

समायुक्तं अष्टादशं च न
 युक्तं ॥ अथ अष्टादशं समूहं ॥
 मूलमर्कं च स्यात् ॥
 ह्रं दयादिनयुजनं ॥ गायत्रि ॥
 आतादनादि ॥ ८५ नू मू ॥
 अष्टादशं लखन हाथ ॥ अष्टुन ॥
 शुक्लं शुक्लं शुक्लं ॥

ॐ ज्ञां रुं १ अह्ना मृद्वि ॥
 वन्दनादि आत्मपूजा ॥ गिवरु
 रु सवला स विन नाय कथाय
 ॥ ॐ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 लम्पु न ॥ अद्यावत् ॥
 गायत्रि ॥ आवाहनादि ॥ धृत्वा
 नथ वमं ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 वनका विधि ॥ सर्वो गल यथ ॥
 आत्मरु न वध्यात्वा ॥
 ॐ निगिवरु ॥
 गगाह्ना नय ॥ साधन ॥
 अद्यावत् मनुन ॥ ॐ ज्ञां रुं १
 यस्म ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ॐ ज्ञां रुं १ यस्म ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 नमः ॥ ॐ ज्ञां रुं १ यस्म ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 य सिन स स्त्रादा ॥ ॐ ज्ञां रुं १
 पुं यं ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ॐ ज्ञां रुं १ यस्म ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

वृद्धो हि मुख्यं नैजस्य दिसि म्बु
 लो ॥ मधुयनि विद्वत् ॥
 गायत्रि मनुन ॥
 यथी म्बुयन ॥ ॐ मदीयो म्बु
 म्बुमिसम्बुजन ॥ ॐ म्बुनसि म्बु ॥
 यामादयमिसु ॥ ॐ यत्ता म्बुवा ॥
 मधुयान्मन् ॥ ॐ वायवायादि ॥
 वीदि विद्वयन ॥ ॐ वीहयश्चम ॥
 लाजा विद्वयन ॥ ॐ वीज विद्वदं ॥
 ययगयनदाय ॥ जम्बुन ॥
 ॐ यविष्णु ॥

अथवा जलखननाय ॥ मूल
मनुन ॥ यद ॥ ॐ सुमिषियान ॥
विक्रमदात ॥ लाजाय न
सिद्धार्थ ॥ रुसमद्वीकातक
गा ॥ धनदात ॥ अरुमंजन ॥
यद ॥ ॐ ययवर्गं स्यादुपरु
सायुष्मानावथवदित्वसि
वरं स्याना ॥ १ ॥ गा आवदुज्ज्व
धवागुदका अदिबुध्ना मनू
नीयमाणा ॥ १ ॥ विष्णु विक्रम
७ मसि विष्णु विक्रान् मसि
विष्णु १ ॥ कान् मसि ॥
यकाकवन ॥ ॐ नका रुनीवत ॥
यूया माला ॥ ॐ श्री अकलम् ॥

निवसकिकलसहजंगला
नन।मनन॥अथान्यास

अर्ध्याशुपूजा॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
वलासाय नमः॥
वलसुवासाय नमः॥
वलसिंहासाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
वासाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
अमुक्याय नमः॥
अमुक्याय नमः॥
अमुक्याय नमः॥
अमुक्याय नमः॥
अमुक्याय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
आचारनादि॥ लिंग्यानि
मूडाडिगियु॥ वद॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
वीर्याय नमः॥
धृष्ट्याय नमः॥
रुद्राय नमः॥
वलाय वि स
कलगीथजितनयुष्य॥
वयस्यवसाय नमः॥
जगत्पूजाय नमः॥
यस्यैव गतिमुक्तिनिवस
कियुक्तनमामि॥ अर्ध्याय॥
अमुक्याय नमः॥
जगमानस्य जगत्पूजाय नमः॥
वासाय नमः॥
लखनदाय॥
मूलमनुष्य॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥
कलद्वयक॥

हृदयं॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

न्यासजघन्याहृदय॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

उदकपूरणं॥ मयसि॥

वसिष्ठागिरि॥ सर्वदासा

मयसि॥ कायोरिधन

मयसि॥ यथैवकुदणु

जा नानालंकारमात्रिणं॥

गजैकथमदायाव

विमलकिमयनं॥ कया

लखद्वांगववमं॥ पुल्लम

वमालिका॥ वीजयुवक

ववदं॥ आयुधा निविचि

कयनं॥ अनुवाहद्वयसा

थं॥ गजमोहविग्रहं॥

गजैकजीवनं॥ नादरु

दययाधिविन्ध्यनं॥

लीलातलाविमिच्छुनं॥

संविद्ययवमथयं॥ नृ

किमनयं॥ विन्यसा

लख

नमः पूज्यतरुनयथायावा
रुयथर्व दृक्कमलामपु
लायवि॥ द्वात्रिंशत्कथा
मनु वृथाउ३ लि त्रियं द
य॥ अथैकलनसंग्रह
मूलेयवचनयन॥ नमो
लयागमयथागोमानि
नइयथ॥ ॥००॥ निधान॥
अथावमूलमनुनत्रियं
लि३॥ उ॥ अथावमव
मकिमदिनायनम॥
नमो वक्तुपूजन॥
उ॥ क॥ लो॥ नानाथद्वैवका
यनम॥ ॥००॥ त्यादिनपूजा॥
उ॥ बा॥ मा॥ यनम॥
उ॥ जी॥ म॥ म॥

उ॥ बो॥ नम॥ उ॥ क॥ ल
नम॥ उ॥ क॥ ल॥ वि॥ क॥ ल॥ न
म॥ उ॥ क॥ ल॥ य॥ म॥ थ॥ ल॥ न
म॥ उ॥ क॥ ल॥ स॥ व॥ म॥ य॥ म॥ नी
नम॥ उ॥ क॥ ल॥ क॥ य॥ ल॥ क॥ व॥ वा
यनम॥ उ॥ क॥ ल॥ नि॥ वि॥ वा॥ रु॥ न
रु॥ व॥ वा॥ यनम॥ उ॥ क॥ ल॥ क॥ य॥
रु॥ व॥ वा॥ यनम॥ उ॥ क॥ ल॥ वि॥
क॥ ल॥ क॥ य॥ वा॥ यनम॥
उ॥ क॥ ल॥ म॥ म॥ थ॥ रु॥ व॥ वा॥ यनम॥
उ॥ क॥ ल॥ म॥ य॥ ना॥ द॥ रु॥ व॥ वा॥ यनम॥
उ॥ क॥ ल॥ सा॥ म॥ व॥ रु॥ व॥ वा॥ यनम॥
उ॥ क॥ ल॥ वि॥ श॥ ना॥ रु॥ व॥ वा॥ यनम॥
उ॥ क॥ ल॥ अ॥ य॥ ना॥ यनम॥ उ॥ क॥ ल॥
या॥ य॥ ना॥ यनम॥
उ॥ क॥ ल॥ म॥ द॥ ना॥ यनम॥
उ॥ क॥ ल॥ म॥ म॥ वा॥ यनम॥

ॐ कं थ ४ इ मू र्वा य न म ॥
कं धा व वा य न म ॥ कं व ४
व य गी न म ॥ कं प्र थ मा य
न म ॥ कं धा धा वा य न म ॥
कं व मा म्वा य न म ॥ कं
धा शी मा य न म ॥ कं व
म हा व ला य न म ॥ कं व
ज या य न म ॥ कं व वि ज
या य न म ॥ कं कं अ जि
गा य न म ॥ कं स अ य वा
जि गा य न म ॥ कं व म हा
क गा य न म ॥ कं ग स
का य न म ॥ कं स स
हा य न म ॥ कं व ड वा क
वा सि न्वा त म ॥ कं व क
व गी न म ॥ कं न य
वि न ॥ कं म अ ल गी

य न म ॥ कं स मी दा वि न्वा २ ॥
कं व रु ड क ल्प न म ॥ कं
व व डो य न म ॥ कं व री मा
य न म ॥ अ धा व रु ड यो
॥ आ वा रु ना दि ॥ व य ॥
ॐ ग वा जा मि ॥ ॐ व म ॥ अ इ
जि ॥ ॐ आ या अ स्मा न ॥
ॐ य व स्य ता ॥ ॐ व रु स्य
ने रु दि ॥ ॐ व ला म गृ गी ॥
ॐ वा वा द यी ॥ ॐ आ मि न्वा ॥
ॐ म हा अ ॥ ॐ व क ज रु
न ॥ ॐ वि वा व वा ठ ॥
ॐ न म ॥ ग ॥ अ य व ॥
ॐ धा मा ल्खी व न ॥
आ वा रु ना दि ॥ ॐ वि वा
ॐ व रु नि ॥
ॐ ग वा सि ॥

ॐ या ४ ह लिना ॥

ॐ अन्नयम ॥

ॐ कया न गिगया ॥

ॐ मना इ नि ॥ य कि द्या ॥

ॐ य साय ॥

ॐ न न स गुरु सुटि

कमलिमय यल्लव कुरु

युक्ता वल्लनी धियुक्ता

सकलजल निविपय

वत्ता वधिव ॥ यल्लुका

ह्याय ससु मनिउने स

केले सविन सर्व राव

साव दे नो मिह का भिव

संग गियुग क र सु हि

नमा मु ॥ अन्नयम ॥

हानरय न ह्याय ॥ म ॥

ॐ ऊं नम स रूद्रय ॥

म हा या उ व न ह्याय

ह्या न ख न सम र्य पाय

नम ॥ य ह ह्या यय नि

सु हि सु हि ॥ य सा सु व व

लो ॥ य व न ह्या न नि ह्या

हि त्वं ग ह्या ने स पाय ॥

॥ ह द या दि न गुरु ॥

उ मा य रु ग न वि नो लि

ग नू य व नाय व ॥

क रो य न म ॥ युर्य रु

ह्या नू ग रु का व काय

॥ य द क रु य ह्या न रु ग

व म र्य म ॥ हि व ॥ व रु

नी य ज ग ना थ स व

व व न ह्याय ॥

अन्नयम ॥

युव द्या ग युज ग ल्या ॥

ग प वि नि वि क न ॥

ॐ नत्वा यामिना आसन ॥
ॐ देवस्यत्वा ॥ अरु कन ॥
ॐ रुगा यत्वा ॥ रुगा यन् ॥
म ॥ ॐ य न प न्ना ॥ य न्ना ॥
ॐ वृहस्य न्ना ॥ वियु न्ना ॥
ॐ गा ॥ स विदु ॥ कीर्ति यन् ॥
ॐ कलि कुद ॥ कनिसाय ॥
ॐ उदिव ॥ ॥ युदू न साया ॥
ॐ यत्वा वि न्ना ॥ न्ना ॥ उ लाका ॥
ॐ द्वा रा देवी ॥ सा नि भाव ॥
ॐ वक्र जहान ॥
ॐ नमः ॥ स रु वाय ॥
ॐ नमः ॥ मि न्ना ॥
आ वाहन ॥ रु उ क वलि ॥
ॐ नमः ॥ व न्ना साय ॥
धूय ॥ दीय ॥ रु ल ॥ न व ॥
अ ॥ ॐ क या न ॥ न्ना ॥

ॐ मभाङ्ग नि ॥ यति व्ना ॥
जाय सु नि ॥ श्री म ई ला
लिया नि ॥ अ न्ना ॥

न न्ना अग्नि कार्य पाय ॥
ऊऊ माने यु व्ना रु न याय
क ॥ स न्ना सिद्धि व न्ना ॥
सूर्या द्य ॥ अ धान न्ना स
अर्घ्य पाय यु ज्ना ॥
आ ल्प पूजा ॥ ला जा वि क
प न ॥ ॐ ली ज विष्ट द्वा ॥
अ न्ना न या क न ॥
ॐ य वि न्ना ॥
क न्ना न य वि निवी क
न ॥ अ न्ना न या क न ॥
मू र न नि वी क न ॥
क व न्ना न द न ॥

अवतु नून ॥
अशुन लखन ॥
ॐ उदवा दवह ॥
ॐ मान साक ॥ ॐ त्वावृ
ह ॥ ॐ कत्वा जामि ॥
गायत्रा धवन ॥
यक्षि म न द कि न ॥
अश्व सूच भ मि गर ॥
अशुन राउन ॥
कवथ न कथन ॥
ॐ त्वम (प्रद रि ॥
अशुन खनन ॥
कवथ न उदवन ॥
हृदय म धूवन ॥
हृदय न समी कवन ॥
संयामि ॥

कवथ न संयन ॥
ॐ कत्वा जामि ॥
अशुन कूट ॥
ॐ त्वावृह ॥
कवथ न संमार्जन ॥
ॐ मान साक ॥ लयन
ॐ यद्या नि ॥ वज्रकर्म
ॐ सद सस्य नि ॥ धार
॥ ॐ त्वावृह यथम ॥
दिदि ॥ कला यविक
त्यन ॥ कृति न कृणइ
यक्षि न मध्व ॥
ॐ क्रांती शिवाली क
लायन म ॥ यूव ॥
ॐ क्रांती शिवाली क

यनम ॥ दक्षिण ॥ उक्ता ॥
विद्या कलाय नमः ॥ यथि
म ॥ उक्ता ॥ निवर्तिका
लायनम ॥ उक्ता ॥
उक्ता ॥ यथि कला
यनम ॥ मथ्य ॥
यके स्रग् नव वृत्त ३ ॥
कवचन ॥ उक्ता ॥
उक्ता ॥ कलामय कुं उं य
नमः ॥ कलानय ॥
॥ ॥ अथ न ॥
उक्ता ॥ यथि ॥
वदिका व ॥ ॥ अथ
न ॥ कसनय ॥ यदा
वदाम ॥ ॥ ददय ॥
॥ ॥ निष्पृष्टा दस कुं उ
॥ ॥ यथि ॥
॥ ॥ उक्ता ॥

विष्णु वा म ॥ लं यथ ॥
यथ न ॥ उक्ता ॥
ववा गी ॥ यथि विष्णु वा म
यनम ॥ उक्ता ॥
॥ यिगु वा दय यूजन ॥
उक्ता ॥ वागी ॥ यथि
उक्ता ॥ वागी ॥ यथि
उक्ता ॥ वागी ॥ यथि
उक्ता ॥ वागी ॥ यथि
आवाहनादि ॥ यथि
काष्ठमादाय ॥
अथ नय ॥
उक्ता ॥ सिग्ना ॥
उक्ता ॥ अथ नय ॥
कथन ॥ ॥ उक्ता ॥
उक्ता ॥ विद्या नय ॥
यथि ॥ ॥ उक्ता ॥
यनम ॥ ॥ यथि ॥

ॐ ऊँ ऊँ ऊँ ३ रुक् ॥ उल्लास
पूजन ॥ ऊँ वागीश्वर
य नम ॥ ऊँ वागीश्वर
नम ॥ ऊँ सर्वेश्वर
मिधायनम ॥

अथार मूलन पूजन ॥
ॐ ऊँ ऊँ अरसी पूष्य
संका संखल कोन सं
पूत ॥ अथार मूलन
वी वागीश्वर निदिनय
रुति ध्यान ॥

ॐ अथार मूलन वृत्त ॥
अथार मादाय ॥
अथार नथा कन ॥
सिमरं स ॥ अथार मूलन ॥
ॐ ऊँ नौ नौ वृत्ति वृत्ति

न्यायनम ॥ वृत्त ॥
ॐ अथार मूलन वृत्ति ॥
ॐ अथार मूलन वृत्ति ॥
कथा दागिरी काय ॥
ॐ ऊँ नमस्तु वृत्त वृत्त
ऊँ महापाशु य गासा
य अथार मूलन वृत्त
यदु रुरु ॥ अथार मूलन
वत्सन ॥ ॐ वृत्त वृत्त
वलि ॥ ॐ वृत्त सर्व विधि वृत्त
नय सर्व वृत्त वृत्त
गुरु ॥ ॐ वृत्त वृत्त
ॐ अथार मूलन वृत्त
कन वृत्त ॥ अथार मूलन
वृत्त वृत्त वृत्त वृत्त
ॐ वृत्त वृत्त वृत्त

ॐ ऊँ कथादा प्रयत्नात्
आ घृतादुक्तिः ॥
कथादायि विसर्जनः ॥
उपयसनः ॥
अमुनः प्रादुर्जनः ॥
अग्निन्यासः ॥ परनर
डादि कर्मनामूलनः ॥
निशीजनः ॥
अमुनः कुरवनः ॥
कववनः ॥ ० नः ॥
मूलनः पूजनः ॥
नभयगीऊयट्ठार
१० ॥ आवाहनः ॥
महा ॥ ॐ अग्निमहि
॥ अथावः सर्वनसिध

नकायः ॥
ॐ अमुनः प्रियवत् ॥
कार्यः अमुनः कर्मनवाक्यः
ॐ महिः गृहाममः ॥
ॐ ऊँ नौ नौ नौ नौ वेदिके
ननायनमः ॥
रुकारः सकावः ॥
अथावः मूलमयः सारः
ॐ स्वस्तिः नामिमीनायः
अथावः हृदयनः ॥
ॐ मः मीनिः ॥
अर्घ्यायः वः सुनहायः
ॐ ऊँ ऊँ वागीयः सारः
ॐ यः वादिविः ॥
मिश्रः यः कः मः सारः
मिश्रः मयः नः ॥

ॐ अग्नि शक्ति शक्ति ॥
 ॐ अंग नमो भूय नमः ॥
 कृष्ण कर्कश नव द्वा ॥ ७७
 अथानुमूलमं जन ॥
 ॐ अंग नमो भूय नमः ॥
 यथि मव द्वाय नमः ॥
 तिला कृति स विमला स
 रुपा विविध ॥
 ॐ अथ अथ द्वा सर्व
 समे द्वाय नमः ॥
 द्वा ३ ॥ अथ द्वा ॥
 ॐ अथ अथ विनि ॥
 ॐ अथ द्वा म द्वाय ॥
 अथ द्वाय नमः ॥
 ॐ अथ द्वा द्वा व द्वा
 विनि स यथ वनाय
 सा द्वा ३ ॥ अथ विनि

ॐ ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं नमो भगवते
 ये दक्षिण वक्त्राय नमः
 ॐ ह्रीं ध्यातुं ध्यातुं नमः
 ललाटे ॥ गिरवाय नमः
 स्वाहा ३ ॥ ॐ माहि ॥
 ॐ ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं
 सर्वं नमः ॥ ॐ ह्रीं
 यथायथा नमः ॥ ॐ ह्रीं
 स्वाहा ३ ॥ ॐ ह्रीं नमः ॥
 अग्निजात ॥ ॐ ह्रीं नमः ॥
 नमो भगवते ॥ ॐ ह्रीं नमः ॥
 स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं नमः ॥
 मान ॥ ॐ ह्रीं नमः ॥
 ध्यान ॥ ॐ ह्रीं नमः ॥
 कुल ॥ ॐ ह्रीं नमः ॥
 दसकी ॥ ॐ ह्रीं नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कुण्डलिनि विदिसरु ॥
पूर्व ॥ इन्द्रावक्रायाय नमः ॥
मु ॥ इन्द्रावक्रायाय नमः ॥
इन्द्रावक्रायाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
काव्यं वदो यमहृत्
गाय सामद वनाय ग
यश्चिच्छिद सनम ॥

इति नमो ॥ द्वांसं कराया
यनम ॥ द्वांसं कराया
यनम ॥ द्वांसं कराया
यनम ॥ द्वांसं कराया

कौज इव दायरुषा दौज
 लम्भाय वक्रयुगलय
 ये ह्ययुक्तं दशनमम् ॥
 पश्चिम भाट्टका विष्णु
 स्नायनम भाट्टका विष्णु
 धूम्रहयनम ॥ दक्षिण
 धूम्रनम ॥ ॐ अक्षय्य
 यो दिवी ॥ ॐ सामवेदा
 यकाशय लम्भाय वृ
 द्दवक्त्राय जगन्निष्ठ
 दस्यनम ॥ ॐ हव ॥
 ॐ अर्चनीयं स्नायनम् ॥
 ॐ अर्चनीयं स्नायनम् ॥
 ॐ अर्चनीयं स्नायनम् ॥
 ॐ सन्निधौ ॥

का अथ सर्वदायक

गानस्य (म) शाय रुद्र
 दरागाय अनूपयचू
 दसनम ॥ ॐ कोलू
 लायनम ॥ ॐ रू
 मयनम ॥ ॐ सुं यमा
 यनम ॥ ॐ नैमया
 यनम ॥ ॐ रू वरु ना
 यनम ॥ ॐ यवाय
 यनम ॥ ॐ सुं ऊव
 रायनम ॥ ॐ दू ॥
 नायनम ॥ ॐ अ वृथू
 दनायनम ॥ ॐ इ इ
 दनायनम ॥ ॐ ॐ
 शिवायनम ॥
 इ सुमि वरुम ॥
 के ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ली ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ नवाहदव ॥
 वक्रासन ॥ यनीगसन ॥
 ॐ वक्रासायनम ॥
 ॐ यनीगासायनम ॥
 ॐ हिर्य ॐ गरु ॥
 ॐ रुद्र विष्णु ॥
 यनीग अशुनयाकल ॥
 ॐ यल्लू ॐ वक्र ॥
 ॐ आयादिष्टा ॥ उदकयूरन ॥
 ॐ सासायनम ॥ ॐ वक्रासा
 यनम ॥ ॐ दू मूर्त्यनम ॥
 ॐ वक्र यल्लू ॥
 ॐ गवू अ सायनम ॥
 ॐ विष्णु यनम ॥
 ॐ विष्णु मूर्त्यनम ॥
 ॐ अग्नि यानम ॥
 ॐ यनीगायनम ॥
 ॐ सर्व सायनम ॥
 ॐ रुद्र विष्णु ॥ ॐ वक्राहना

ॐ आ व क्र वा ॥
ॐ विष्णु न नाठ ॥
ॐ पूज न (थं पूजा या या)
ॐ क यान शिवा ॥
अथा २ विविन क लसा
व न ॥ गिव स कि क
सूतू (थं पूजा या या)

पूव द्वा व पूज गत्वा ॥
गय वि नि वी क ल ॥
ॐ गत्वा यामि ॥ आसन ॥
ॐ देव सत्वा ॥ ओं सु क न
नीदि न नम ॥ ॐ
महा कालाय २ ॥ ॐ महाम न
यं थाय नम ॥ ॐ य ग य न्ना
वि पूर कृणाय २ ॥ ॐ बृह स्य न
गु वि व लाय २ ॥ ॐ ह म (थं द)
म नि सा वृ दार २ ॥ ॐ कि नि क द

पद न सा वा य २ ॥ ॐ उ दि व
गं नि ना व ना य २ ॥ ॐ च व म
स मं ग व द्वा रा य २ ॥ ॐ द्वा रा द वी
धान ॥ ॐ रा व न स मा न
स र्व ह स वि ना जि न
न य मु धी वा त्म स र्व सि दि
प दा य कं ॥ ॐ लो य व ज
रु स य स र्वा वि य र य
ने वा व ना म्ना य धान प र्व न
म ॥ ॐ स आ वा २ ॐ ल ॥ ॐ
ॐ ल आ ग ॥ ॐ ॐ ना व नी ॥
ॐ ग ना र मि ल त्या दि ॥ ॥
आ वा द ना दि ॥ ॐ न व लि ॥
ॐ य कृ ग ना ॥ ॐ पू र सि ॥
ॐ नं डा सि ॥ ॐ या रु लि ॥
ॐ उ न य न ॥ ॐ क यान शि
॥ ॐ ग ना र मि ल त्या दि ॥
जा य स मं ग ॥ ॐ ग ना र मि ल

ग्रीष्मादि ॥ १० तिथि पूर्व होन ॥

गणकलसद्वृत्ता ॥

गुणकलसद्वृत्ता ॥

गुरुकलसद्वृत्ता गत्वा ॥

गमयति निवीकन ॥

उं गत्वा यामि ॥ आसन ॥

उं दव स्यात्वा ॥ अस्मद्वृत्ता ॥

आदित्यादि नद्वृत्ता ॥

ध्यान ॥ यथा सन ४ पद्मका

उं आ कृष्ण न ॥ उं गुम्बका

उं अग्नि दू न ॥ आवाहन ॥

उं १० मंदवा त्यादि ६ ॥

आवाहन ॥ नो गमय नम ॥

उं नमो भू सत्य ॥

भूप ॥ दीप ॥ हल ॥ भेष ॥

उं कयन ॥ अथ मना ॥ रुति

मति ॥ आवाहन ॥

आदित्य गसिर्मगवा ॥

गुरु ग्रीष्मादि ॥ १० तिथि पूर्व कलस ॥

मृत्पूजय कलसद्वृत्ता ॥

गयति निवीकन ॥

उं गत्वा यामि ॥ आसन ॥

उं दव स्यात्वा ॥ अस्मद्वृत्ता ॥

उं आ मृत्पूजय पनम ॥

आ मृत्पूजय मृत्पूजय नम ॥

ध्यान ॥ कंद कृ मृद सीका

सं यत्न मृत्पूजय मृत्पूजय ॥

यय लावन मृत्पूजय मृत्पूजय

यदि लावन मृत्पूजय ॥ रुति ध्यान ॥

उं आ मृत्पूजय मृत्पूजय ॥

उं सय मृत्पूजय ॥ उं यून

आदित्य ॥ आवाहन ॥

अग्नि मृत्पूजय ॥ रुति ध्यान ॥

आवाहन ॥

जङ्गलानमः ॥ ॐ अ० अ० अ० ॥
जङ्गलानमः ॥ ॐ अ० अ० अ० ॥
धूय ॥ दीय ॥ रुल ॥ नेव ॥
ॐ क० न० गि ॥ ॐ
ॐ म० न० गि ॥ ॐ गि ॥
जायसु ॥

सुग्रायसुग्राय ॐ जया
द० वि० द० वि० क०
र० अ० न० सुवमन
शु० य० वि० अ० क० वि०
या० व० व० द० अ० य०
नि० य० अ० म० य० ज० य०
ज० य० गि० सा० न० नि० सा०
का० व० क० ॥ अ० य० गि० ॥

न० न० ० नि० लि० द० ज० ॥
मू० न० म० गि० न० य० स० ॥
ॐ क० ला० या० मि० ॥ अ० स० म० ॥
ॐ द० व० य० त० ॥ अ० य० क० ॥
आ० धा० व० अ० क० ह्या० दि० ॥
स० धा० जा० ग० य० न० म० ॥
वा० म० द० वा० य० न० म० ॥
अ० धा० वा० य० न० म० ॥
न० य० न० वा० य० न० म० ॥
ॐ गि० न० वा० य० न० म० ॥
न० गि० य० न० ॥
न० गि० य० न० म० क० वी०
न० गि० य० न० म० क० वी०
व० क० न० य० अ० व० क० द० म०
ज० ज० गि० य० न० म० य० य०
इ० ल० न० क० द० द० ल० ल०

ॐ आ शु ४ गि सा ना ॥

आ वा द न ॥

ॐ अ ह मा पा त्र दि ॥ २ ॥

ॐ श्री ग न ल ॥ शा द वे न म

ॐ श्री मा ल दि रा ल बी ॥

ॐ य द ग ना ना ॥ व लि ॥

पू य ॥ दी य ॥ ह ल ॥ ने

व द ॥ ॥ हं क यान शि ॥

ॐ स मा दू ति ॥ अ ति ष्ठा ॥

जा य मू ति ॥ अ य ग ॥

ॐ अ स मा य ग ॥

ॐ आ रि द्र क ल ॥ क ल स

था ना दि व लि ॥ ग न रा ॥

अ स ॥ की मा वी पू जा ॥

स गु न पू जा ॥

व तु स वि ॥ पू व दी

य ॥ अ ति ष्ठा ॥ जा य मू

ॐ ॥

अ र्थ य द ग ॥ व नं क ल ॥

द कि ॥ ल क मं उ ल य दि

ॐ अ ह मा पा त्र दि ॥ २ ॥

ॐ अ वि ग ॥

ॐ वि ष्ठा च वा द ॥

शु वा अ य न य ॥ क ल ॥

ॐ अ य मू ॥ व द ॥

ह स व मा न क ॥ स मा द

य ॥ अ य न य ॥ व न क स

क ॥ ल न य ॥ वा पृ ष्ठा ॥

वि ग ल न सा ॥ व न ॥

अ य न य ॥ वा मा दू न ॥

ॐ स मू द ॥ अ ति ष्ठा ॥

ॐ अ य मू ॥ अ ति ष्ठा ॥

ॐ अ य मू ॥ अ ति ष्ठा ॥

ॐ स वि ॥ अ ति ष्ठा ॥

अ. य. प. नि. र. थ. म. र. ॥
अ. य. न. य. क. ल. ॥
ॐ य. ल. कृ. ०. व. क. ॥
घृ. न. यू. व. ल. ह. द. य. न. ॥
ॐ म. ही. ना. य. थ. ॥
ॐ वा. न. स. सि. दि. नू. ॥
ॐ कृ. कृ. ठ. डि. ॥
कृ. य. डि. वा. म. य. न. ॥
ॐ छ. य. लो. य. ॥
ॐ अ. य. रु. ना. अ. सु. ॥
ॐ न. वा. द. म. म. ॥
ॐ ना. ना. व. नि. ल. ॥
ॐ व. व. य. वा. ॥
ॐ छ. य. लो. य. ॥
ॐ से. नि. उ. म्मा. ॥

य. वि. रु. क. ने. ॥
ॐ अ. य. स्वा. हा. ॥
ॐ य. वि. रु. स्त्री. ॥
हृ. द. या. दि. न. यू. ज. न. ॥
ॐ न. या. सि. ना. व. द. ॥
आ. वा. य. रु. न. ॥
यू. व. व. ल. क. म. ॥
ॐ द. वी. वा. था. ॥
ॐ कृ. यू. स्वा. य. न. ॥
स. र्प. व. नि. ग. नि. धा. य. ॥
य. वि. रु. व. ॥
ग. ना. थ. क. ल. वा. र्थ. न. ॥
वी. द. ना. दि. रु. ज. न. ॥
जा. डि. व. य. न. म. ॥
ॐ की. रु. वि. स. क. य. न. म. ॥
य. व. म्मा. न. व. रु. न. ॥

कवचमण्डन॥
 ॐ ह्रीं ऊं विष्णु दा रायूजन॥
 ॐ ह्रीं शुक श्रवा खानमम॥
 ॐ नमः ४ समुवायन॥
 ॐ श्यामाल खिर्न॥
 बर्तमान दूजय॥
 ॐ ययममक ममाव
 ॐ पूज सिद्धि॥
 नमो वक्रा लिद्यान॥
 ॐ ह्रीं सद्या जागयसाह
 ॐ ह्रीं वामद वायसाह
 ॐ ह्रीं अद्या वायसाह
 ॐ ह्रीं नयून्सायसाह
 ॐ ह्रीं श्रीमन्नायसाह
 वक्रकलेय ना नको ॐ
 ॐ ह्रीं सद्या जागयसाह

स्वाहा ॥ वशिष्ठमातृ ॥
 ऊँ ऊँ ऊँ वाम अष्टाशाय
 स्वाहा ॥ उत्तराश्वदक्षिण ॥
 ऊँ ऊँ ऊँ अष्टाश्वदक्षिण
 साय स्वाहा ॥ दक्षिण
 पूर्व ॥ ऊँ ऊँ ऊँ नक्षत्र
 साय स्वाहा ॥ पूर्व नमः ॥
 ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ८ स
 आजाग वाम अष्टाश्वदक्षिण
 नमः स्वाहा ॥ वशिष्ठादि
 कर्मनमः श्री गुरुभ्यो
 नमः ॥
 ऊँ ऊँ ऊँ वाम अष्टाश्वदक्षिण
 दक्षिण वक्राय नमः ॥
 नमः ॥
 ऊँ ऊँ ऊँ वाम अष्टाश्वदक्षिण
 नमः ॥

झीलूकन काये स्वाहा ॥
पश्चिम ॥ झं वूं न काये
स्वाहा ॥ वायव्य ॥
झं ध्रुव काये स्वाहा ॥
आग्नेय ॥ झं ध्रुव
काये स्वाहा ॥ पूर्व ॥
झं कं अग्नि र काये स्वा
हा ॥ ॐ नमः ॥
झं द्रुव द्रुवाय स्वाहा ॥
मध्य ॥ झं द्रुव दिग्वा
कनि काये स्वाहा ॥
॥ झं वूं व कनि
काये स्वाहा ॥
वर्ज्य वायव्य ॥
झं वूं न काये स्वाहा ॥
वायव्य ॥
झं ध्रुव द्रुव सुवराये

स्वाहा ॥ अग्नि पूर्व ॥
झं वूं न सुवरा अग्नि र का
ये स्वाहा ॥ पूर्व न ॐ नमः
ॐ नमः मध्य आग्नेय
वर्ज्य ॥ झं ध्रुव सुवरा व
द्रुवाय स्वाहा ॥
सफटि काय क काये व
द्रुवाय स गृह न ॥
ॐ सकल अग्नि ॥
ध्यान ॥ मध्य पूर्व ॥
अष्टादश संमिध दाम्ना ॥
ॐ समिध मित्र ॥
ॐ नद वाग्नि नदा ॥
चर्क ॐ स्वाहा ॥
चर्क वृणा न निधाय ॥
हि स वाज ॥
मनव जायते यस्मा
द ॥

ॐ सम्मास्यवधू॥
 ॐ ॐ ह्यवकोसि॥
 ॐ ॐ यवकुहस्य॥
 नभयजायनिमानधि
 नय॥ वक्का॥ पुणीक॥
 वद॥ लाकयाल॥
 कावागी श्वथनम॥
 कावागी श्वरायनम॥
 सुपूज॥
 काका कावागी श्वराय
 वागी श्वथस्वाहा॥
 शुभिसखाथनायाय॥
 कावम (ग्रीष्म) नज
 यावनी वरमं यद॥
 नस्मात्तदीयहृदय
 मं सुायी नर्वयामि
 ॥ हृ॥ काकुति॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 विविधैः यद्वाक्यैः ॥
 यद्वाक्यैः नमः ॥
 त्यागसहितः ॥
 तस्य वक्ष्ये नमः निधाय ॥
 धृताकृतिसर्व ॥
 गलपति इन्द्रादिना ॥
 मालकाविराज ॥
 धृताकृतियुक्ता ॥
 ॐ सकलैः प्रसाद्य ॥
 नमः विदितोऽस्तु ॥
 नमः नमो नमः ॥
 ॐ यत्तु ० ॥
 विदितं नमः ॥
 अथात्रैव नमः ॥
 नमः नमः नमः ॥
 नमः नमः नमः ॥

ननु वा कः ॥
उं ह्ययहृसा सयनिक
दिनि विद्या धरक
मनि ॥ ६० ॥ हृगुगुगु
जीन यकठ वडिवांग
नि ॥ उं उमानादि सर्व
पूजा जावा कृष्णु होदय
॥ सर्व गानिक कर्षव
सर्व दव गुरु कृष्ण ॥
प्रवमसु गृहीत्वा व स
र्व गानिक कर्षा म्हा ॥
सर्व दु वि नृणा साय
ल की स वा थि सि द्य
नृ ॥ म्हा वा य शि काय
उं ६० ॥ द ० ह वि ॥
उं यै यंक ॥
अग्नि अन्न संकल्प ॥

द्युतादु नि वि य स र्व ॥
धियक वद थव रसन ॥
दग्ना यान न था य न नू
कर्म न मारका वि य ॥
कल सय गि द्वा ॥
गं का दू नि ॥

देव ल सा य मू व द्वा व स
नि व लू ना दि ॥
दी य वा रु न ॥ र्व द ना
दि स गु न ॥ स र्व आ य थि
ला सा ला व म्म न म्म ठ य
य म्म ॥ कल स (गा ३४ ॥
या सा दि अ द्वा य अ द्वा
जा ॥ उं उं वा यो नि ॥ आ स ॥
उं द व सा ल ॥ अ ल्क रु ग
पूर्व ल स पू र्वा ॥
ऊं गं गायै न म ॥

ॐ अथात्र कोसवोमनह
दयायनमः॥ दक्षिण॥
ॐ ऊमनामो नमः॥ कोथधा
व कोवको गिरुस नमः॥
यश्चिमः॥ नमो दायनमः॥
काधानद्यानरुद्र काल नीम
खायनमः॥॥ डल न॥॥
ऊमरसुखे नमः॥
ऊसव नसर्व सवधि
गलकोवययनमः॥
मृत्तिका हृदयादिनयूजा
ऊसमूडे नहः॥ पूर्व न॥
ऊसमूडा यथा॥ दक्षिण॥
ऊसमूडे अष्टायाधिमा
ऊसमूडा इमिः॥ डल न॥
ऊवसा ४ यकिण॥ सदस्य॥
ऊअस्माचममृत्ति॥

ऊं याडावधियु॥
सूक्ताय ऊऊमनस्य॥
न नमृत्तिज्ञानवाक्कण्ठ
हृथा॥ लवहाय ऊऊमन
ऊं नत्वा यामि॥ निलडय॥
ऊं त्वं नायू (ग्र) गऊदे न॥
ऊं अयादवाम॥ वालिक॥
ऊं अरुह ननिर्वृपायावावा॥
ऊं राजनमः॥ वाजदाव॥
ऊं अगु ४ जिता॥ वृषष्टिग॥
ऊं देवी वाया अ॥ वव्वगाया॥
ऊं वव्वलस्य ल॥ समिधन॥
ऊं ०० मीमर्ग (ग) गं गमृत्ति
ऊं वव्वक नस्य न॥ ऊं (ग) ग
ऊं वव्वक ववा॥ व व॥ दकय
ऊं या ४ हलिनि॥ रुशदक॥
ऊं दीर्घा यस्तु॥ न डूल॥

ॐ गं व द्वावी ॥ गी ॥ ॐ द क ॥
ॐ ॐ द मा य प्र ॥ अ ॥ द क ॥
ॐ ह विष्णु गी वि ॥ दू ॥ द ॥
ॐ य गी ॥ नि ॥ गी ॥ ॐ द ॥
ॐ य य ॥ ४ ॥ थि ॥ थो ॥ ॥ दू ॥
ॐ द वि का ॥ प्र ॥ ॥ द वि ॥ प्र ॥
ॐ न ॥ अ ॥ सि ॥ ॥ घृ ॥ न ॥ प्र ॥
ॐ म ॥ वू ॥ वा ॥ गी ॥ म ॥ वू ॥ प्र ॥
ॐ न ॥ म ॥ ४ ॥ स ॥ मू ॥ ॥ सा ॥ र ॥ व ॥
ॐ व ॥ वि ॥ श ॥ मू ॥ ॥ य ॥ व ॥ ग ॥ वा ॥
ॐ न ॥ स ॥ म ॥ य ॥ ॥ अ ॥ व ॥ पा ॥
ॐ स ॥ मू ॥ ४ ॥ ह ॥ य ॥ या ॥ दि ॥ ॥
क ॥ ल ॥ स ॥ प्र ॥ न ॥
ॐ व ॥ च ॥ न ॥ द ॥
ॐ व ॥ सा ॥ ४ ॥ व ॥ वि ॥ र ॥
द ॥ व ॥ दू ॥ वि ॥ वि ॥ य ॥ क ॥
ॐ न ॥ वू ॥ दू ॥ दे ॥ व ॥ हि ॥

यं द ना दि गी सु न ॥
व स य वि व न द व र्त्त ॥
स रू ॥ आ व थि ॥
ॐ उ नि वू व दू ॥
द व ऊ ऊ मा न स ॥ आ दा व
य रू ॥ मं उ य य म ॥
वा ॥ वू ॥ ल ॥ स ॥ ला ॥ सा ॥ व ॥
ॐ उ ल ॥ शा ॥ व ॥ हि ॥ ॥

ॐ न म ॥ ४ ॥ स ॥ मू ॥ ॥ रु ॥ द ॥ यी ॥ ॥
ॐ वा ॥ य ॥ यो ॥ वा ॥ नि ॥ द ॥ ॥
द व वि र्त्त न सा व न ॥
कू ॥ ग ॥ न ॥ थि ॥ या ॥ दि ॥ वि ॥ लि ॥ ३ ॥
ॐ रु ॥ स ॥ रा ॥ ॥ ॥ रु ॥ ॥ म ॥
वा ॥ य ॥ व ॥ दू ॥ ॥ न ॥ म ॥
ॐ वू ॥ दू ॥ य ॥ रू ॥
ॐ रु ॥ व ॥ स ॥ रा ॥ ॥

ॐ ह्रीं वा यन्त्राणि
स्वायत्ता ह्रीं ३॥

ॐ कारा स्वाह कास्त्रे
स्वाहा ॥ देवान्कर्म
नुनाम ह्यय ॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा नमः ॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ ह्रीं वायुहल ह्रीं
स्वाहा ३॥

ॐ अस्माय नमः
अस्माय नमः
ॐ अस्माय नमः
अस्माय नमः
ॐ अस्माय नमः
अस्माय नमः
ॐ अस्माय नमः
अस्माय नमः
ॐ अस्माय नमः
अस्माय नमः
ॐ अस्माय नमः
अस्माय नमः

नाय नमः॥ गभय
 दयया अनूकम्प॥
 ऊं गभय खिद्य दाना
 य स्वाहा ३॥
 ऊं व के नदी का॥
 ऊं अस्त्राय समा
 ह नाय नमः॥
 ऊं अस्त्राय समा
 व ह नाय स्वाहा॥
 ऊं अस्त्राय
 ऊं हृदयाय वि
 वा हाय नमः॥
 ऊं हृदयाय वि
 वा हाय स्वाहा॥

रुनि विनवचक ॥
 सबलिंदकानक
 रायक इश ॥
 आकृति विच ॥
 ॐ शुभक ॥
 ॐ अस्तु यम
 जाशं यनम ॥
 ॐ अस्तु यम
 नजाया यसा ॥
 ॐ काण्ड ॥
 ॐ मिद गं कि या
 ॥

यथादवस्यमूलमर्क
 गजीव्यासदण
 रागजीवनेकशम

दवस्य नवरागसुजीव ॥
 ॐ कौकौ कौ कौ कौ कौ
 सर्वजीवदया शिवदरु
 प्रविष्टा दैकावचनं न्य
 सखाहा आकृति ॥
 ॐ युवाकुवस्य ॥
 ॐ वावने सु ॥ यवउगसाध ॥
 ॐ मनसु आ ॥ यवउगसाध ॥
 ॐ आयुर्क न ॥ आयु ॥

इवित्यादिसकय र्क ॥
 आकृति ॥ ॐ सकप्रव ॥

मूलमर्क न न्यास ॥ दवस्य ॥
 ॐ कौकौ दयाय शिवकुगु ॥
 ॐ कौकौ शिवस्य ॥ ॐ सहस्रस
 ॐ कौकौ शिवस्य ॥ ॐ अस्तु ॥
 ॐ कौकौ कववायद ॥ ॐ अस्तु

श्रीगदाधरमनमः॥ आन
विदि॥ नोति यमकस्यातमो
जदयक यो विवकः॥ १॥
म्यातधुवक॥ जः कः ली
नि॥ १॥ वा कः॥ काशि वरा
वयितरो दे शतावत श्री
हरिकु आर्षकत श्री कु
या श्री वनमः पुष्यं नमः
॥ म हा द्वय कारे ति॥ वि
म्य देवे य इदमा सन
नमः पुष्यं नमः॥ ॥ वि
म्य देवे मया दमर
विप्रपादु कारिण म्य दे
ना तोपि गोमर शुककर
विशेषक मकर रः॥

वित्रिवितामदप्रवीता
मदतिलकुश इदमा
सतम्यधीपुष्यं त्वधा
॥ १ ॥

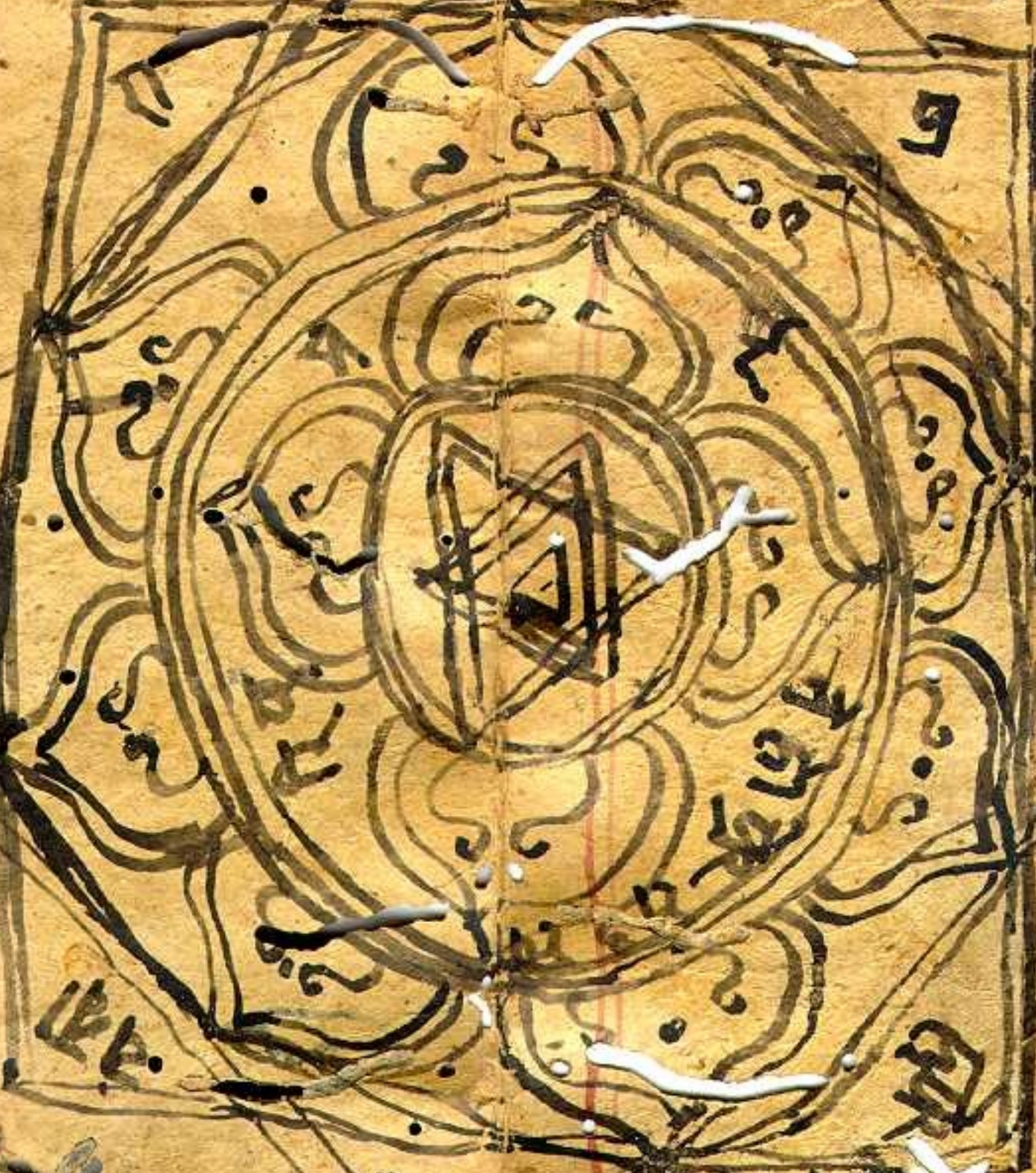
श्रीउपनासमन्त्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

इदमशनेशा तु व्यं २॥
 विप्रिपितामहया वीतम
 हतिलेक इदमशने ॥
 ध्या॥ गदधराय न्यासः
 ॥ गदधराय अस्तु यक
 त् ॥ ॥ ॐ ब्रह्म ते २॥ विष्णु
 वे २॥ रुद्राय नमः ॥ शिव
 सिवाय २॥ वरुण मृतये
 या लोढने २॥ गंगाये २॥
 समुद्रायै २॥ शरभ्युते
 २॥ वरुणा मृतये ययि
 वंके २॥ वन्दना कृत्वा
 पुष्पं २॥ धूपं २॥ आ
 तु मे वन्द्यं २॥ आत्मा
 सिरशि पुष्पं नमः ॥ आ

त्ता शीतोय २॥ आत्मन
 तये २॥ उत्तरे २ देवे
 न्यस्थानमासीत प्रया
 ध्या॥ ॥ गायत्रि २॥ गदा
 धराय २॥ द्रुतक्रका
 स्थाय २॥ अयविनेति
 ॥ ॥ शवा ४ ह्या न्यतरं
 वि ॥ कलाय २॥ का
 ताय २॥ ॥ अस्तवक्र
 न्यपुष्पं न्यधा ॥ येकाद
 शरुदे न्यपुष्पं स्ववा
 ॥ द्वादशादिते न्यपुष्पं
 ॥ स्वधा ॥ ॥ गदधरा
 यते नदी के अयं यं आ
 वायं पुष्पं २॥ अद्य

कासिवगोत्रपितरैवे
शां वत दूरि कु आये क
तु शक्यो दे श काल यः
यशा गिर भूमि ब्राह्म
नाभ्य रति धान मल्लु वि
श्रे दे वा दि पु र्व भु वं जु
म दा सः श आं कारि य
॥ अथ प वि त्र ति ॥ ॥
पि वि या त्रा शनं प्र वा
पि त्रि या त्र उ या न श्र
वा पि त्रि या त्र पु जा रु
ला र्थ ॥ ॥ या त्र श उ ना
त स ज न म शि ॥ या त्र
या न म ति ॥ ॥ वि श्व
दे व व द मि त्रि मि ता

गुरु व द न अ न तं
क ल्य पु जा १

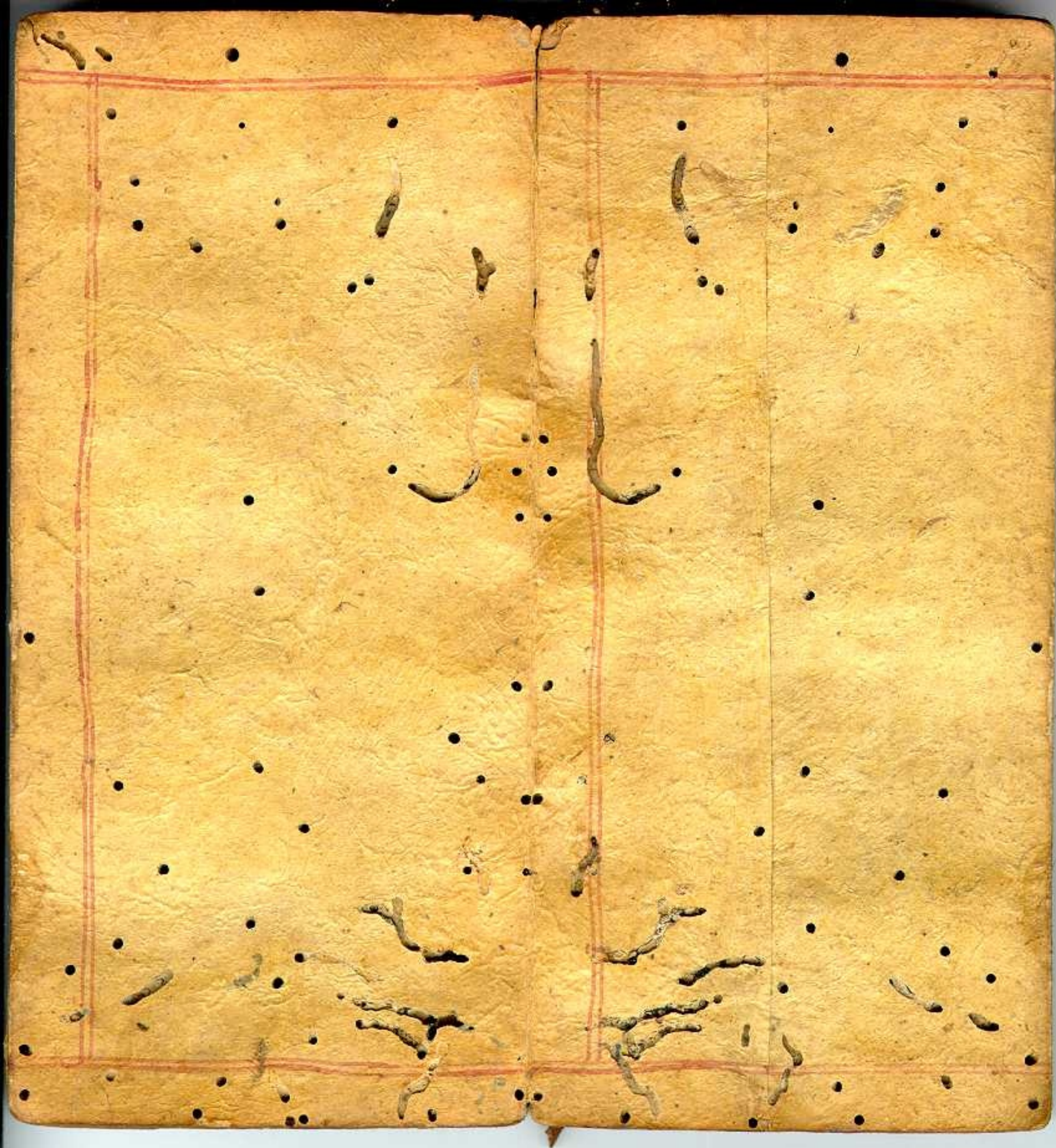
मा त्रि पि ता म मि प्री पि ता म
हि ई ड मा ल न स्व धा

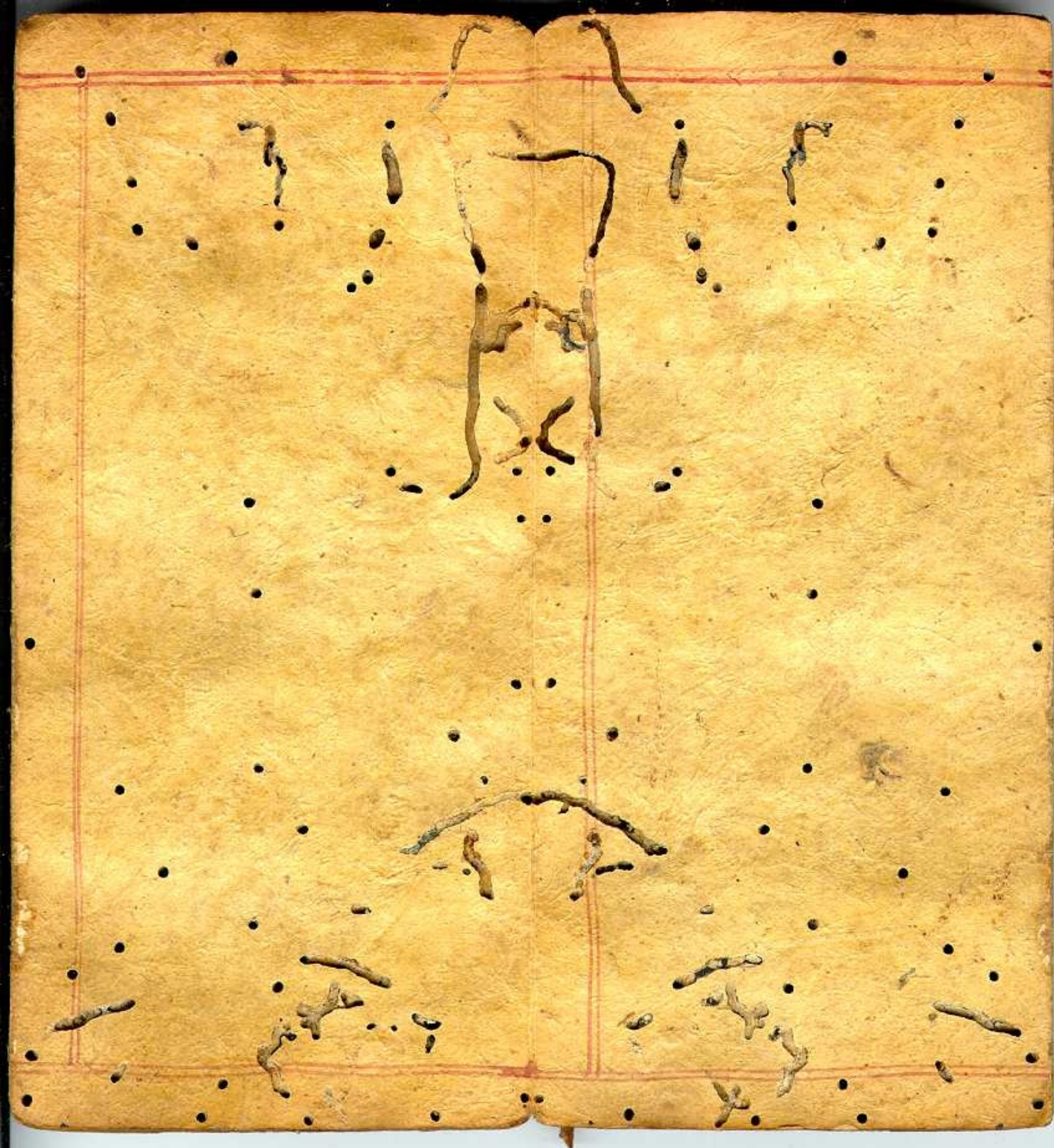
अथातुमनुलक्षणी॥ आर्चय॥ यजमाने नस्तु योर्ध्व ॥ न्यास
गच्छेद्वेनघोरुनी॥ महुकैके महुपद ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

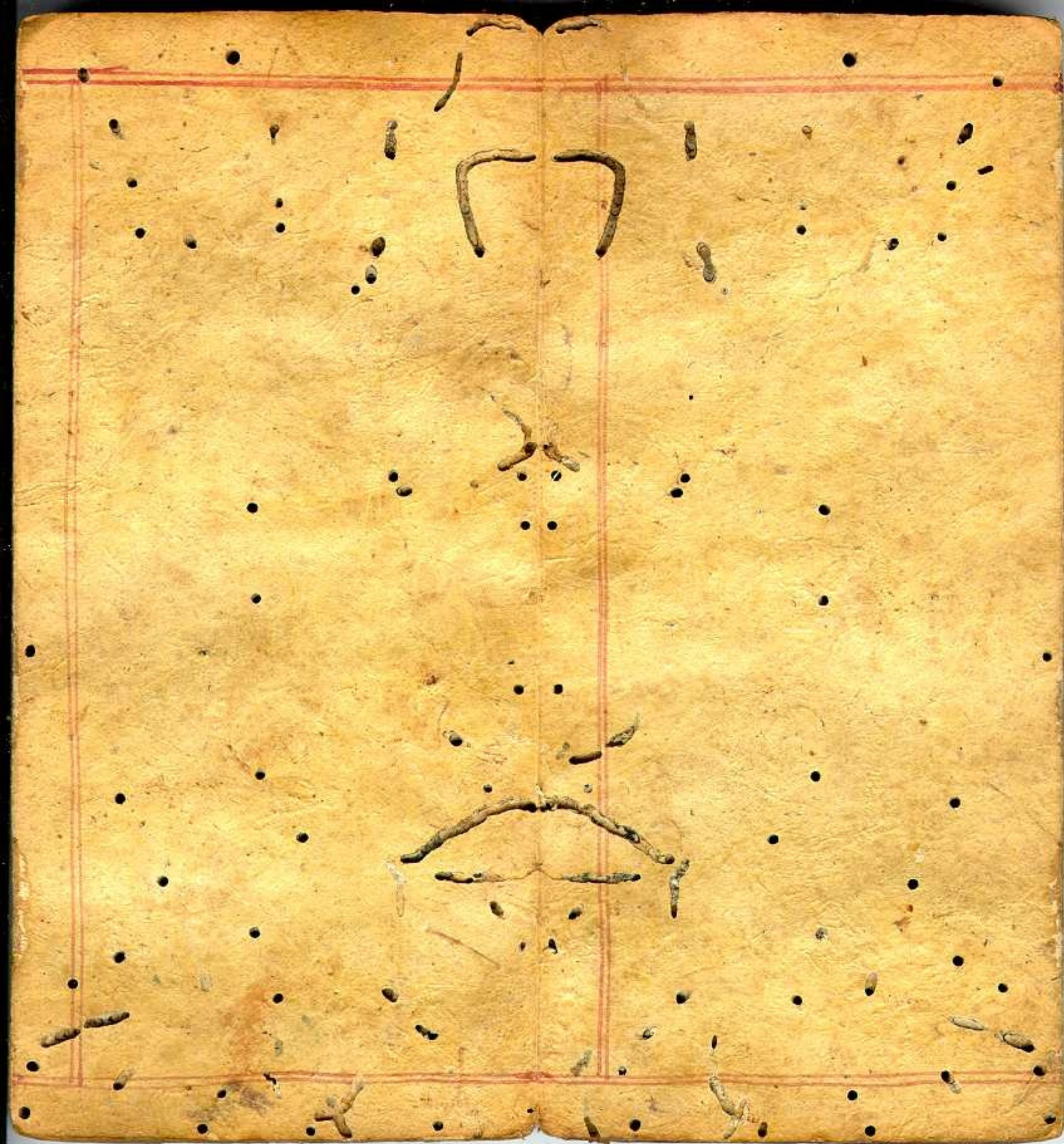
गीराशासमः॥

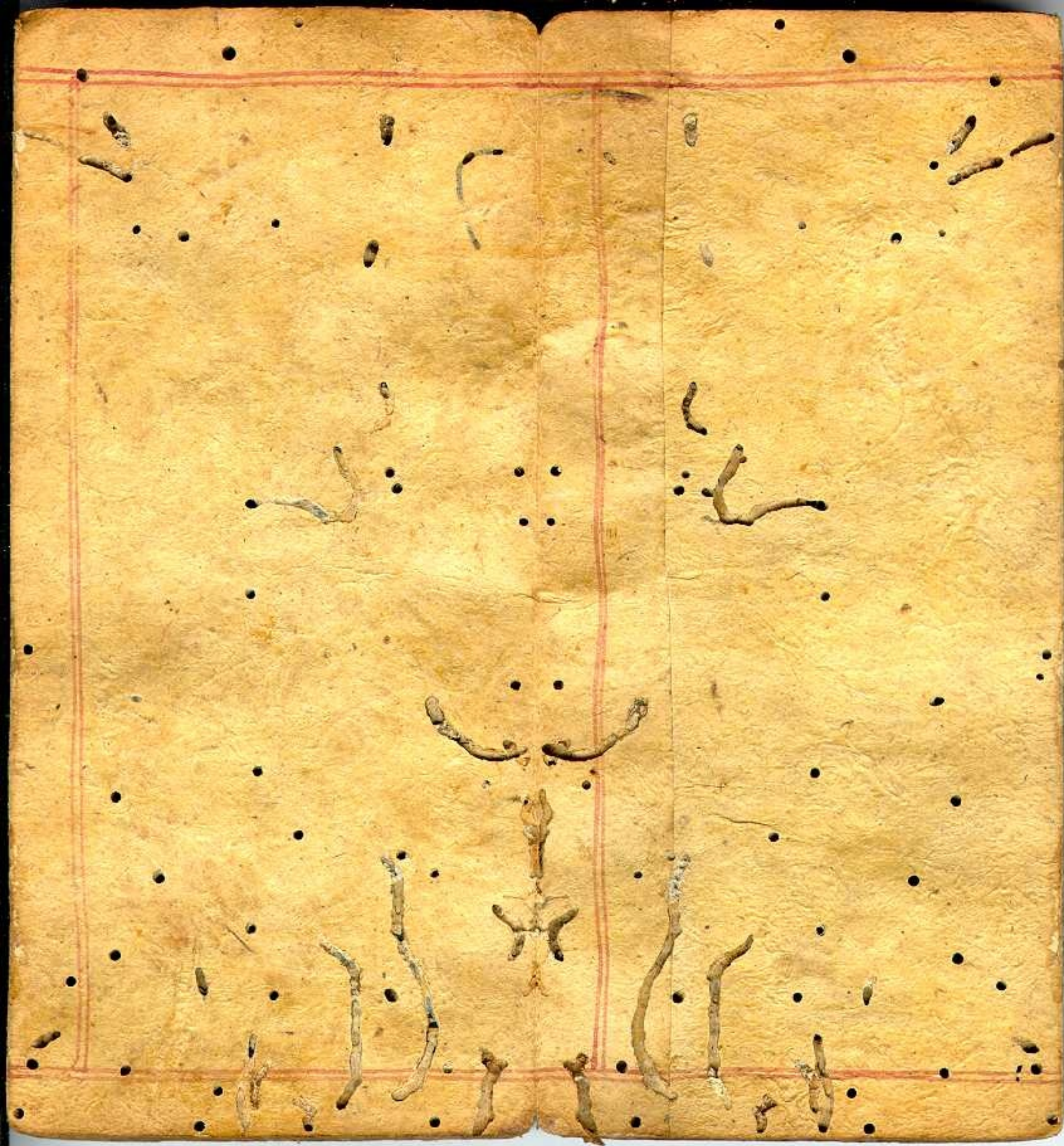
अथ एतमनुलक्षणी॥ आ॥ आर्चय॥ यजमाने नस्तु योर्ध्व
न्यासगच्छेद्वेनघोरुनी॥ महुकैके महुपद ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
अथातुमनुलक्षणी॥ आ॥ आर्चय॥ यजमाने नस्तु योर्ध्व





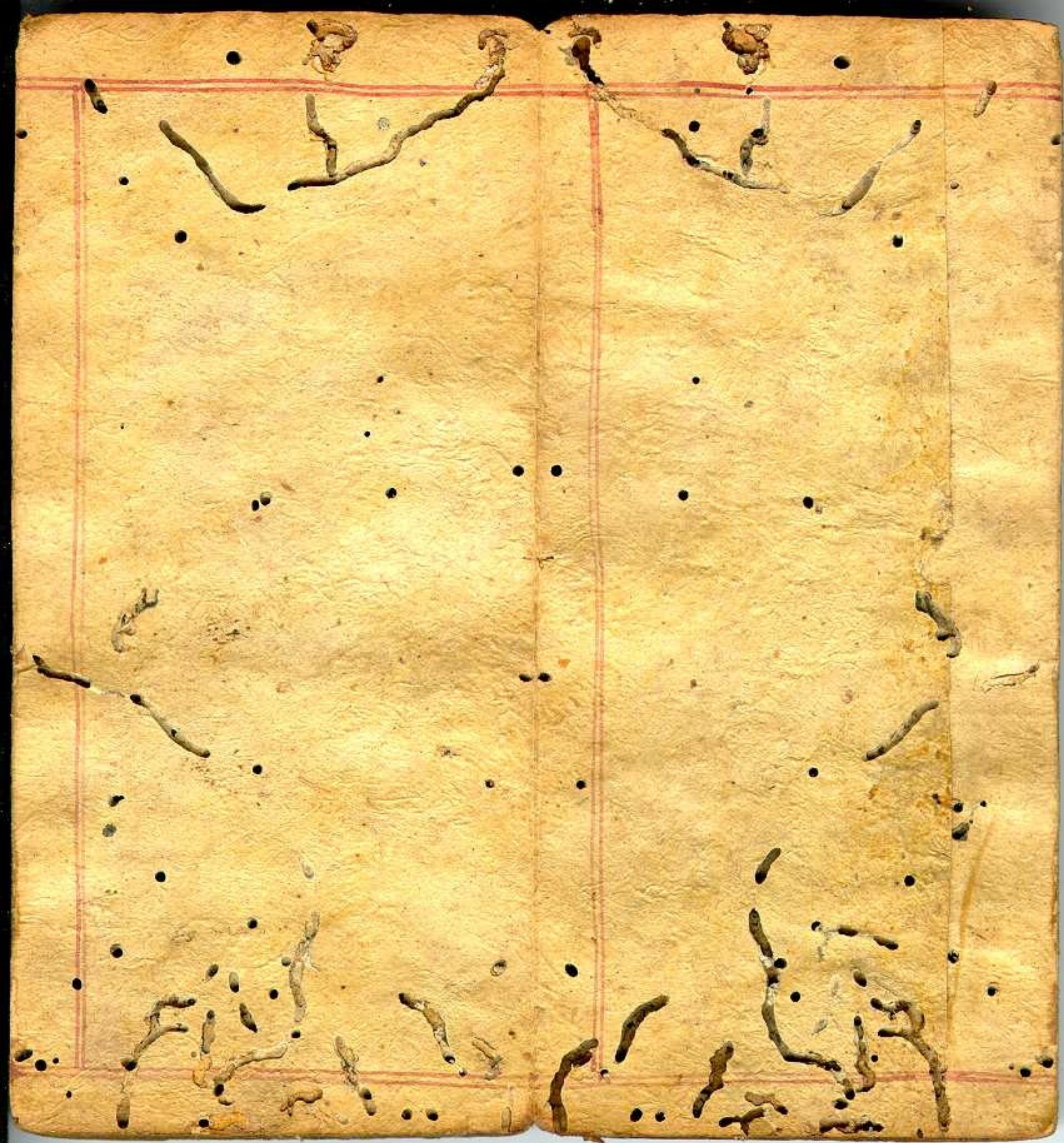




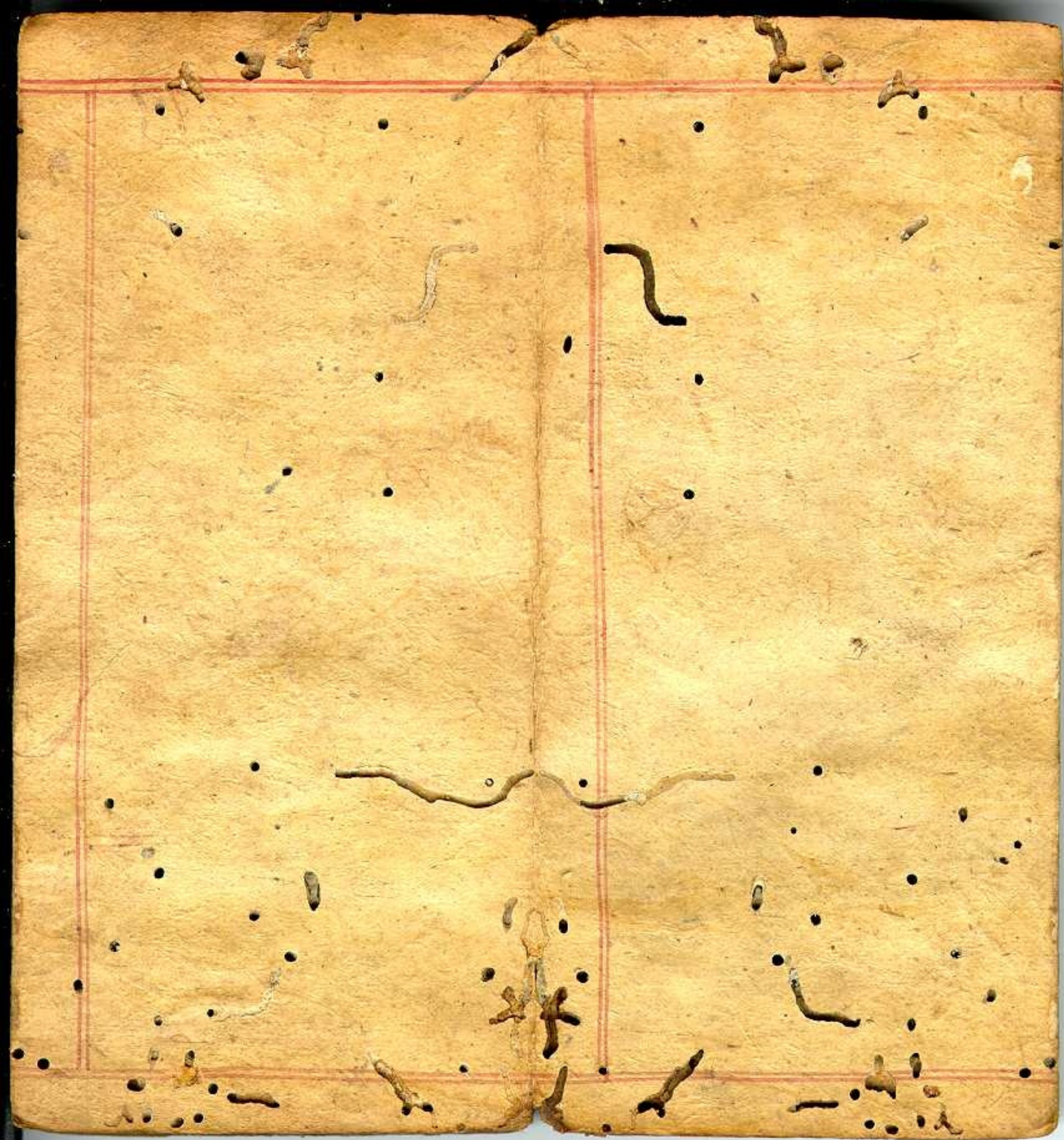








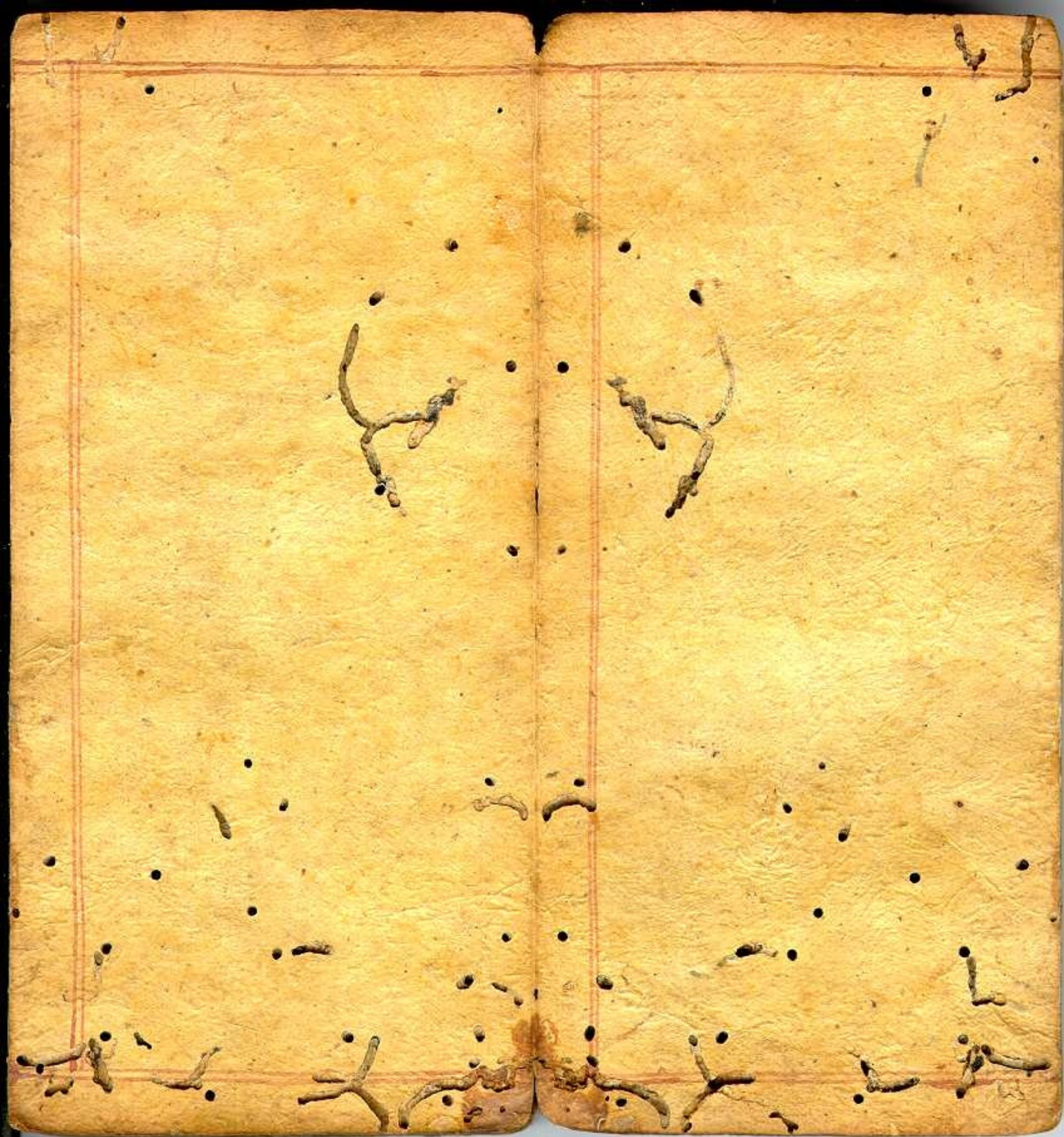




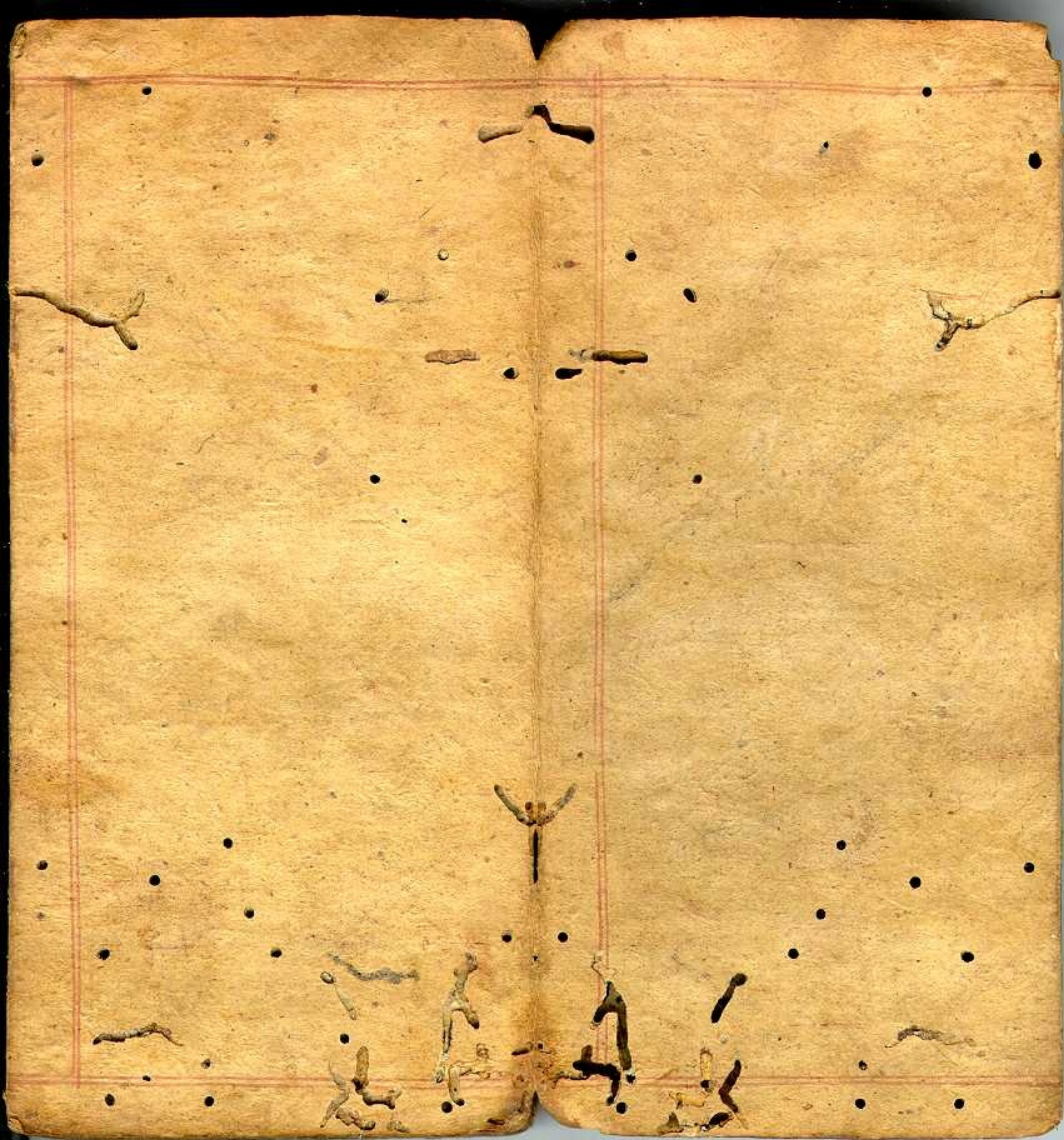


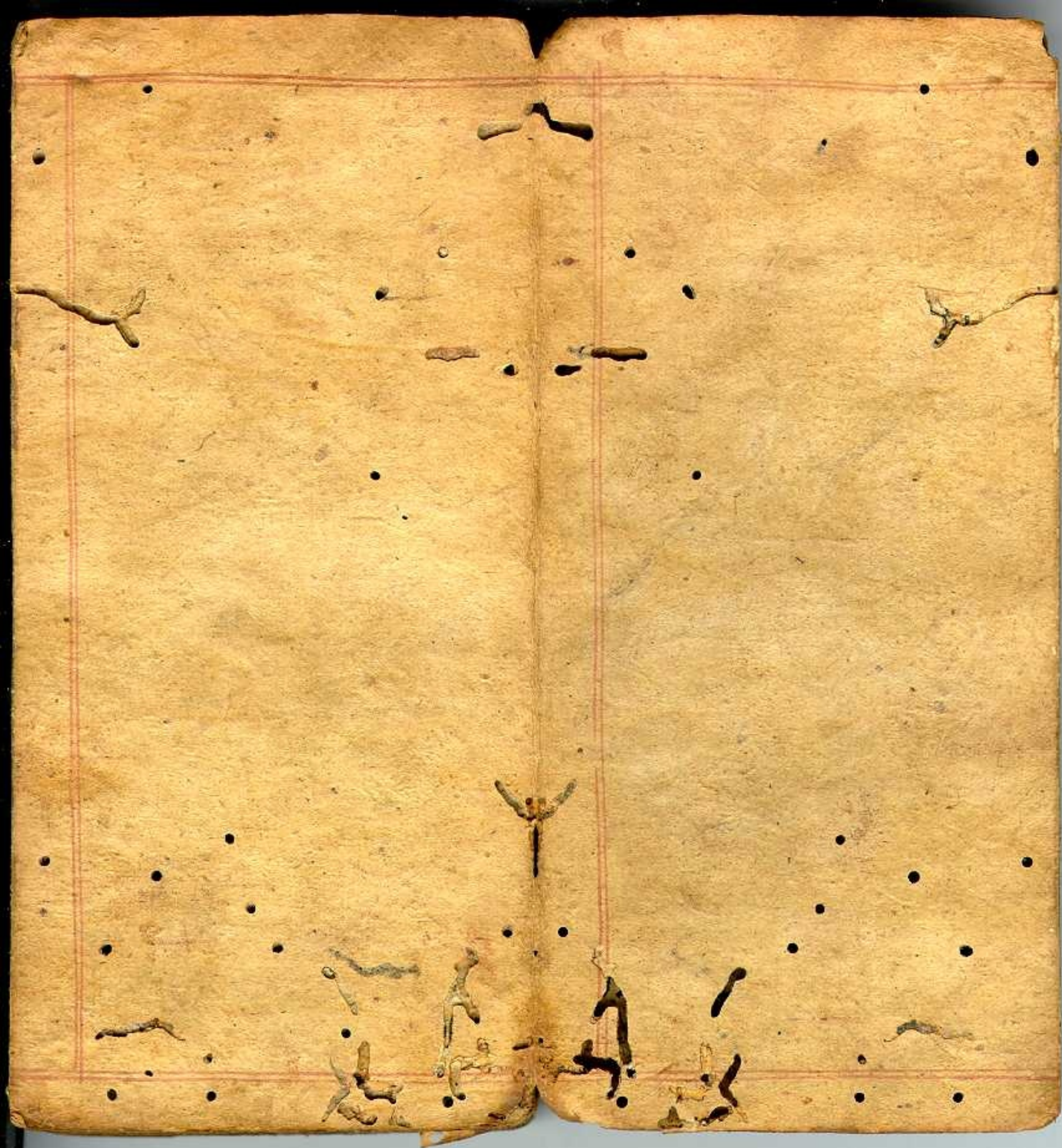












श्रीगणेशाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीकृष्णाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीगणेशाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीकृष्णाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीगणेशाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीकृष्णाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

